

पत्नी के मायके से न आने पर युवक ने फांसी लगाकर दी जान

पुलिस व फारेंसिक टीम ने पहुंचकर की जांच

मोहम्मदाबाद, समृद्धि न्यूज़। पत्नी के मायके से न आने पर युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूखन एवं पर पहुंची पुलिस व फारेंसिक टीम ने पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस ने शब का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

जानकारी के अनुसार कस्बा मोहम्मदाबाद के इंद्रा नान निवासी 27 वर्षीय शैलेन्द्र पाल पुत्र स्व. 20 जादीश पाल की जनदर कॉन्जैज के थाना सौरियों के खड़ीने में साड़ी की दुकान है। 6 दिन पहुंचैलेन्द्र अपने भाऊ आया था। वीरी गवि लालगढ़ 10 बजे शैलेन्द्र की माता कपूरखली घर के बाहर बैठी थी, तभी शैलेन्द्र ने गेट बंद कर लिया तथा अंदर चाले कर्मर की छत के कुड़े में दुप्पते के सहरे फांसी लगा ली। गेट



गमीनी बैठे मृतक के परिजन

पहुंची फारेंसिक टीम ने भी जांच पड़ताल की। परिजनों ने बताया कि मृतक दो भाई था। बड़ा भाई सल्येन्द्र देखा तो शैलेन्द्र का शब कांस के फंदे पर लटक रहा था। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सीधी मंगवाकर छत पर चढ़कर जाल से मकान के अंदर चुसकर गेट खुलवाया। सूखन पर



मृतक का फाइल फोटो

ने बताया कि उनका पुत्र कुछ दिन ही घर पर पत्नी को बुलाने आया था। उसकी पत्नी संपाद अपने मायके में रखती है, लेकिन वह नहीं आयी। पुत्र को उसकी पत्नी से अनबन हथी थी। इन्हीं के चलते उन्हें फांसी लगाकर जान दे दी। दरोगा रामलीला सिंह संसाग ने शब का पंचनामा भरकर पीएम के आराध्या (4 वर्ष), पुत्र अर्पण (3 वर्ष) का भी भिजवाया। घटना के बाद से परिजनों का गो-रोकन बुरा हाल है।

रेडियोलॉजिस्ट की मनमानी से मरीज से लेकर सीएमएस परेशन



► सीएमएस बोले ज्यादा करेंगे तो हो जायेगी मरी ऐसी तसी

समय से एक तख्ती टंगी है जिस पर लिखा है कि चिकित्सक अवकाश पर है। दूर दराज से मरीज लॉकिंग अप्पताल इस उमीद के साथ आते हैं कि सकारा द्वारा दी जा रही निःशुल्क सेवा का उन्हें लाभ मिले, लेकिन तख्ती देखकर कुछ लौट जाते तो कुछ घंटों इंतजार करते हैं। जब उन्हें किसी प्रकार का कोई जबाब नहीं मिलता तो थकहार कर लौट जाते हैं। या ग्रावेट अल्ट्रासाउंड करते हैं। यह सच नहीं है कि चिकित्सक अवकाश पर है। उनके मन के ऊपर है कि वह किसका अल्ट्रासाउंड करेंगे और किसका नहीं बताते चले कि एक मरीज अपनी मनमानी करते हैं। उनका कोई क्या बिगाड़ लेगा। मैं कई बार लिखकर दे चुका हूं, कोई कायवाही नहीं हुई।

अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कक्ष के बाहर मौजूद लोग

फर्खाबाद, समृद्धि न्यूज़। योगी सरकार का फरमान गरीबों को सरकारी अस्पताल में निःशुल्क औषधिय व अल्ट्रासाउंड मुफ्त किये जाने का आदेश बेअसर होता दिखाया दे रहा है एसा कोई और नहीं चास्थ्य विवाह के संबंधी लॉटिंग अस्पताल के रेडियोलॉजिस्ट डॉ योगेन्द्र सिंह एसा कर रहे हैं चिकित्साधीशक की माने तो डाक्टर की मनमानी व डबगी से अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर लम्बे

वह भी काकी पड़ित है, लेकिन कुछ कर नहीं सकते। क्योंकि जो कुछ करना है वह सरकार को करना है। सरकार बाद बड़े-बड़े करती है, लेकिन काम चोर कर्मचारियों पर कायवाही ठंड के मुसं जैसा छूट देखकर उत्तेजित हो लॉकिंग के एकमात्र रेडियोलॉजिस्ट डॉ बॉक्टर योगेन्द्र सिंह पोरा रह अपनी मनमानी कर रहे हैं।

उसको इंतजार करने को कहा।

आजीवन कारावास की सजा पर परिजनों ने न्यायालय के फैसले पर जताया संतोष



पीड़ित संगीता अपने बच्चों के साथ

नवाबांज, समृद्धि न्यूज़। विकास हव्याकाण्ड के आरोपियों को आजीवन कारावास होने पर पैरिंडित परिजनों ने न्यायालय के फैसले से खुशी जाहिर की है।

बताते चले कि 2016 में विकास कश्यप नवाबांज में किये गए रहने थे और अखबार वितरित कर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे।

2016 को फरवरी माह में हव्याकाण्ड राजपूत निवासी सलेमपुर से किसी बात को लेकर अनबन हो गई। मृतक की पत्नी संगीता के अनुसार हव्याकाण्ड राजपूत निवासी को गड़ी से खेलती थी और उसके बच्चों के आधार पर आजीवन कारावास की सजा से दूर्दात किया। यायालय के फैसले से बंधने वाले बच्चों के लिए बदलाव हो रहा है।

दिया था और बेलचा, लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हव्याकाण्ड के विरुद्ध। उन्होंने बताया कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था। संगीता ने बताया कि आरोपियों ने उसके हसते खेलते परिवार को तबाह कर दिया था। वह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करती है। उसने बताया कि उसके बार पर तीन बच्चे व आजीवन कारावास की सजा से दूर्दात किया। यायालय के फैसले से संगीता बच्चों के लिए बदलाव हो रहा है।

उसके बच्चों का खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने बताया कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था। संगीता ने बताया कि आरोपियों ने उसके हसते खेलते परिवार को तबाह कर दिया था। जानकारी के अनुसार बुधवार को नगर पालिका अधिकारी अविन्द्र कुमार ने प्रतिबंधित पालींथिन के फाइवर के गिलास के चलान को 13500 रुपये की चालान कराया। जानकारी के अनुसार बुधवार को नगर पालिका अधिकारी अविन्द्र कुमार ने प्रतिबंधित पालींथिन व फाइवर के गिलास के चलान पर रोका।

उसके बच्चों का खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने बताया कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था। संगीता ने बताया कि आरोपियों ने उसके हसते खेलते परिवार को तबाह कर दिया था। वह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करती है। उसने बताया कि उसके बार पर तीन बच्चे व आजीवन कारावास की सजा से दूर्दात किया। यायालय के फैसले से संगीता बच्चों के लिए बदलाव हो रहा है।

दिया था और बेलचा, लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हव्याकाण्ड के विरुद्ध। उन्होंने बताया कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था। संगीता ने बताया कि आरोपियों ने उसके हसते खेलते परिवार को तबाह कर दिया था। वह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करती है। उसने बताया कि उसके बार पर तीन बच्चे व आजीवन कारावास की सजा से दूर्दात किया। यायालय के फैसले से संगीता बच्चों के लिए बदलाव हो रहा है।

दिया था और बेलचा, लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हव्याकाण्ड के विरुद्ध। उन्होंने बताया कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था। संगीता ने बताया कि आरोपियों ने उसके हसते खेलते परिवार को तबाह कर दिया था। वह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करती है। उसने बताया कि उसके बार पर तीन बच्चे व आजीवन कारावास की सजा से दूर्दात किया। यायालय के फैसले से संगीता बच्चों के लिए बदलाव हो रहा है।

दिया था और बेलचा, लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हव्याकाण्ड के विरुद्ध। उन्होंने बताया कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था। संगीता ने बताया कि आरोपियों ने उसके हसते खेलते परिवार को तबाह कर दिया था। वह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करती है। उसने बताया कि उसके बार पर तीन बच्चे व आजीवन कारावास की सजा से दूर्दात किया। यायालय के फैसले से संगीता बच्चों के लिए बदलाव हो रहा है।

दिया था और बेलचा, लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हव्याकाण्ड के विरुद्ध। उन्होंने बताया कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था। संगीता ने बताया कि आरोपियों ने उसके हसते खेलते परिवार को तबाह कर दिया था। वह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करती है। उसने बताया कि उसके बार पर तीन बच्चे व आजीवन कारावास की सजा से दूर्दात किया। यायालय के फैसले से संगीता बच्चों के लिए बदलाव हो रहा है।

दिया था और बेलचा, लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हव्याकाण्ड के विरुद्ध। उन्होंने बताया कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था। संगीता ने बताया कि आरोपियों ने उसके हसते खेलते परिवार को तबाह कर दिया था। वह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करती है। उसने बताया कि उसके बार पर तीन बच्चे व आजीवन कारावास की सजा से दूर्दात किया। यायालय के फैसले से संगीता बच्चों के लिए बदलाव हो रहा है।

दिया था और बेलचा, लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हव्याकाण्ड के विरुद्ध। उन्होंने बताया कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था। संगीता ने बताया कि आरोपियों ने उसके हसते खेलते परिवार को तबाह कर दिया था। वह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करती है। उसने बताया कि उसके बार पर तीन बच्चे व आजीवन कारावास की सजा से दूर्दात किया। यायालय के फैसले से संगीता बच्चों के लिए बदलाव हो रहा है।